NCERT SOLUTIONS FOR CLASS 6TH SANSKRIT : CHAPTER 5

5 वृक्षाः

(वृक्ष)

पाठ का परिचय (Introduction of the Lesson)

इस पाठ में अकारान्त शब्द के प्रथमा तथा द्वितीया विभक्ति के रूप का प्रयोग आया है। प्रथमा विभक्ति का शब्द रूप कर्तापद के लिए और द्वितीया विभक्ति का रूप कर्मपद के लिए प्रयोग में लाया जाता है। यथा--

(i) 'बालकाः खेलन्ति' वाक्य में 'बालकाः' कर्तापद (*Subject*) होने के कारण प्रथम विभक्ति में है।

(ii) 'बालकाः पादकंदुक-खेलं खेलन्ति' वाक्य में 'पादकंदुकखेलम्' कर्मपद (*object*) होने के कारण द्वितीया विभक्ति में है।

हम सीख चुके हैं अकारान्त शब्द दो प्रकार के होते हैं। *(i)* पुल्लिंग तथा *(ii)* नपुंसकलिंग। दोनों के रूप नीचे दिए गए हैं।

(क) पुँल्लिंग –	प्रथमा	बालकः	बालकौ	बालकाः
	द्वितीया	बालकम्	बालकौ	बालकान्
(ख) नपुंसकलिंग –	प्रथमा	पुस्तकम्	पुस्तके	पुस्तकानि
	द्वितीया	पुस्तकम्	पुस्तके	पुस्तकानि

☛ **ध्यातव्यम्**–नपुंसकलिंग शब्दों के रूप **प्रथमा** तथा **द्वितीया** विभक्ति में एक समान होते हैं।

पाठ - शब्दार्थ एवं सरलार्थ

(क) वने वने निवसन्तो वृक्षाः।
वनं वनं रचयन्ति वृक्षाः॥
शाखादोलासीना विहगाः।
तैः किमपि कूजन्ति वृक्षाः॥

शब्दार्थाः (Word Meanings) : **वने वने**–प्रत्येक जंगल में (in each forest), **निवसन्तः (निवसन्तो)**–निवास करते रहते हैं (keep living), **वनम्**–जंगल (forest), **रचयन्ति**–रचना करते हैं (create), **शखादोलासीना (शाखादोला + आसीनाः)**–शाखा रूपी झूले पर आसीन (sitting on the swing of branches), **विहगाः**–पक्षी (birds), **तैः**–उनके द्वारा अर्थात् पक्षियों द्वारा (through them by the birds), **किमपि (किम् + अपि)**–कुछ-कुछ (some), **कूजन्ति**–कूकते/कूकती हैं (chirping), **वृक्षाः**–पेड़ (trees)।

LearnCBSE.in

अन्वय : (Prose-order)

1. वृक्षाः वने वने निवसन्तः, एवम् वृक्षाः वनम् वनम् रचयन्ति।
2. विहगाः शाखादोलासीनाः (सन्ति), वृक्षाः तैः किम् अपि कूजन्ति।

सरलार्थ :

1. वृक्ष प्रत्येक वन में निवास करते/रहते हैं, इस प्रकार वृक्ष कई जंगल बनाते रहते हैं।
2. पक्षी शाखा रूपी झूले पर बैठे हैं मानों वृक्ष उनके माध्यम से कुछ-कुछ कूक रहे हैं अर्थात् कह रहे हैं।

English Translation:

1. Trees dwell in every jungle, thus they form (make) many jungles.
2. The birds are sitting on the branches of trees and chirping. It seems that trees are saying something through them (birds).

(ख) पिबन्ति पवनं जलं सन्ततम्।
साधुजना इव सर्वे वृक्षाः॥
स्पृशन्ति पादैः पातालं च।
नभः शिरस्सु वहन्ति वृक्षाः॥

शब्दार्थाः (Word Meanings) : **पिबन्ति**–पीते/पीती हैं (drink), **पावन**–वायु (air), **सन्ततम्**–लगातार (continually), **साधुजनाः इव**–सज्जनों की भाँति (like good noble people), **सर्वे**–सब (all), **स्पृशन्ति**–स्पर्श करते हैं (touch), **पादैः**–पैरों से (with foot), **पातालं**–जमीन के नीचे भाग (underground), **नभः**–आकाश (the sky), **शिरस्सु**–सिरों पर (on their head), **वहन्ति**–वहन करते हैं (carry)।

अन्वय : (Prose-order)

3. वृक्षाः सन्ततम् पवनं जलम् च पिबन्ति। सर्वे वृक्षाः साधुजनाः इव (सन्ति)।
4. वृक्षाः पादैः पातालम् स्पृशन्ति शिरस्सु च नभः वहन्ति।

सरलार्थ :

3. वृक्ष हमेशा वायु और जल पीते हैं। सभी वृक्ष सज्जनों की भाँति होते हैं। अर्थात् वे सज्जनों के समान हमारा उपकार करते हैं।
4. वृक्ष पैरों से (जड़ों से) पाताल को छूते हैं और सिरों पर आकाश को ढोते हैं। अर्थात् वे महान हैं और अत्यधिक कार्यभार सँभालते हैं।

English Translation:

3. Trees continually take water and air only. All trees are like noble persons. i.e., trees show kindness in many ways like noble persons.

LearnCBSE.in

4. Trees touch the underworld with their feet in their roots. They carry the sky on their heads.

(ग) पयोदर्पणे स्वप्रतिबिम्बम्।
कौतुकेन पश्यन्ति वृक्षाः॥
प्रसार्य स्वच्छायासंस्तरणम्।
कुर्वन्ति सत्कारं वृक्षाः॥

शब्दार्थाः (Word Meanings) : **पयोदर्पणे**–जल रूपी दर्पण/शीशे में (in the mirror like water), **स्वप्रतिबिंबम्**–अपनी परछाई को (own reflection), **कौतुकेन**–आश्चर्य से (with surprise/wonder), **पश्यन्ति**–देखते हैं (see), **प्रसार्य**–फैलाकर (having spread), **स्वच्छायासंस्तरणम्**–(स्व+छाया+संस्तरणम्) अपने छाया रूपी बिस्तर को (their own shadow which is like a bed), **कुर्वन्ति**–करते/करती हैं (do), **सत्कारम्**–आदर-सत्कार (regards)।

अन्वय : (Prose-order)

5. वृक्षाः पयोदपणे स्वप्रतिबिम्बम् कौतुकेन पश्यन्ति।
6. वृक्षाः स्वच्छायासंस्तरणम् प्रसार्य सत्कारं कुर्वन्ति।

सरलार्थ :

5. वृक्ष जल रूपी आईने में अपना प्रतिबिम्ब आश्चर्य/कौतूहल से देखते हैं।
6. वृक्ष अपने छाया रूपी बिछौने को फैला कर अर्थात् बिछा कर (सबका) आदर-सत्कार करते हैं।

English Translation:

5. Trees look at their own reflection in mirror like water.
6. Trees spread out their shadow like a bed and pay respect. (give regards to those who come there.)

■ **हमने सीखा**

संस्कृत में संज्ञा शब्दों के लिंग पूर्व निर्धारित होते हैं। अकारान्त शब्दों में कुछ पुल्लिग और कुछ नपुंसकलिंग शब्द हैं। दोनों के शब्द रूप भिन्न होते हैं। यथा–

(क) पुल्लिग	– पल्लवः (पत्ता)	पल्लवौ	पल्लवाः (प्र० वि०)
	पल्लवम्	पल्लवौ	पल्लवान् (द्वि०वि०)
(ख) नपुंसकलिंग	– पर्णम् (पत्ता)	पर्णे	पर्णानि (प्र० वि०)
	पर्णम्	पर्णे	पर्णानि (द्वि०वि०)

केवल द्वितीया एकवचन में दोनों का रूप समान हैं यथा– 'पल्लवम्' तथा 'पर्णम्'। अतः शेष रूपों से ही लिंग की पहचान संभव है। यथा 'पल्लवाः' पुल्लिग पद है और 'पर्णानि' नपुंसकलिंग।

☞ **ध्यातव्यम्**–शेष विभक्तियों में अकारान्त पुल्लिग तथा नपुंसकलिंग के रूप एक समान होते हैं।

LearnCBSE.in

• अभ्यास: (Exercise) •

प्रश्न: 1. वचनानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयत– (वचनानुसार रिक्त स्थान भरिए– Fill in the blanks according to the number.)

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
यथा–	वनम्	वने	वनानि
	.....	जले	.....
		.....	.....
	बिम्बम्		
यथा–	वृक्षम्	वृक्षौ	वृक्षान्
	.....	.....	पवनान्
	.....	जनौ	.....

उत्तरम्– जलम् ..... जलानि पवनम् पवनौ ..... बिम्बे बिम्बानि जनम् जनान्

प्रश्न: 2. कोष्ठकेषु प्रवत्तशब्देषु उपयुक्तविभक्तिं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत– (कोष्ठक में दिए गए शब्दों में उचित विभक्ति लगाकर रिक्तस्थान भरिए– Fill in the blanks by using appropriate case in words given in brackets.)

यथा– अहं रोटिकां खादामि। (रोटिका)

(क) त्वं ..... पिबसि। (जल)

(ख) छात्र: ..... पश्यति। (दूरदर्शन)

(ग) वृक्षा: ..... पिबन्ति। (पवन)

(घ) ता: ..... लिखन्ति। (कथा)

(ङ) आवाम् ..... गच्छाव:। (जन्तुशाला)

उत्तरम्– (क) जलम् (ख) दूरदर्शनम् (ग) पवनम् (घ) कथां (ङ) जन्तुशालाम्

प्रश्न: 3. अधोलिखितेषु वाक्येषु कर्तृपदानि चिनुत– (निम्नलिखित वाक्यों में कर्ता पद चुनिए– Pick out the subjects in the sentences given below.)

(क) वृक्षा: नभ: शिरस्सु वहन्ति।

(ख) विहगा: वृक्षेषु कूजन्ति।

(ग) पयोदर्पणे वृक्षा: स्वप्रतिबिम्बं पश्यन्ति।

(घ) कृषक: अन्नानि उत्पादयति।

(ङ) सरोवरे मत्स्या: सन्ति।

उत्तरम्– (क) वृक्षा: (ख) विहगा: (ग) वृक्षा: (घ) कृषक: (ङ) मत्स्या:

LearnCBSE.in

प्रश्न: 4. प्रश्नानामुत्तराणि लिखत– (प्रश्नों के उत्तर लिखिए– Write answer to the questions.)

(क) वृक्षा: कै: पातालं स्पृशन्ति?

(ख) वृक्षा: किं रचयन्ति?

(ग) विहगा: कुत्र आसीना:।

(घ) कौतुकेन वृक्षा: किं पश्यन्ति?

उत्तरम्– (क) वृक्षा: पादै: पातालं स्पृशन्ति।

(ख) वृक्षा: वनं रचयन्ति।

(ग) विहगा: शाखादोलासीना:। अथवा विहगा: शाखादोलायाम् आसीना:।

(घ) वृक्षा: कौतुकेन स्वप्रतिबिम्बम् पश्यन्ति।

प्रश्न: 5. समुचितै: पदै: रिक्तस्थानानि पूरयत– (उचित पदों से रिक्त स्थान भरिए– Fill in the blanks with appropriate words.)

विभक्ति:	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	गज:	गजौ	गजा:
	अश्व:	.....	.....
द्वितीया	सूर्यम्	सूर्यौ	सूर्यान्
	.....	.....	चन्द्रान्
तृतीया	विडालेन	विडालाभ्याम्	विडालै:
	.....	मण्डूकाभ्याम्	.....
चतुर्थी	सर्पाय	.....	सर्पेभ्य:
	.....	वानराभ्याम्	.....
पञ्चमी	मोदकात्	.....	.....
	.....	.....	वृक्षेभ्य:
षष्ठी	जनस्य	जनयो:	जनानाम्
	.....	.....	शुकानाम्
सप्तमी	शिक्षके	.....	शिक्षकेषु
	.....	मूषरयो:	.....
सम्बोधनम्	बालक!	बालकौ!	बालका!
	नर्तक!	.....	.....

उत्तरम्–

विभक्ति:	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	.....	अश्वौ	अश्वा:
द्वितीया	चन्द्रम्	चन्द्रौ	.....
तृतीया	मण्डूकेन	.....	मण्डूकै:

LearnCBSE.in

चतुर्थी	.....	सर्पाभ्याम्	.....
	वानराय	.....	वानरेभ्यः
पञ्चमी	.....	मोदकाभ्याम्	मोदकेभ्यः
	वृक्षात्	वृक्षाभ्याम्	.....
षष्ठी	शुकस्य	शुकयोः	.....
सप्तमी	.....	शिक्षकयोः	.....
	मयूरे	.....	मयूरेषु
सम्बोधनम्	.....	नर्तकौ!	नर्तकाः!

प्रश्नः 6. भिन्नप्रकृतिकं पदं चिनुत– (भिन्न प्रकृति वाला पद चुनिए– Pick out the word that is different from the rest.)

(क) गङ्गा, लता, यमुना, नर्मदा।

(ख) उद्यानम्, कुसुमम्, फलम्, चित्रम्।

(ग) लेखनी, तूलिका, चटका, पाठशाला।

(घ) आम्रम्, कदलीफलम्, मोदकम्, नारङ्गम्।

उत्तरम्– (क) लता (ख) चित्रम् (ग) चटका (घ) मोदकम्

अतिरिक्त-अभ्यासः

(1) अधोदत्ताम् तालिकां पूरयत। (निम्नलिखित तालिका को पूरा कीजिए। Complete the table given below.)

(क)	***(i)***	.....	विहगाः
	(ii) वीरः	.....	.....
	(iii) छात्रम्	.....	.....
	(iv)	.....	पादपान्

उत्तरम्–

	(i) विहगः	विहगौ	.....
	(ii)	वीरौ	वीराः
	(iii)	छात्रौ	छात्रान्
	(iv) पादपम्	पादपौ	.....
(ख)	***(i)***	.....	मित्राणि
	(ii) कुसुमम्	.....	.....
	(iii)	आम्रे	.....
	(iv) फलम्	.....	.....

उत्तरम्–	*(i)* मित्रम्	मित्रे	.....
	(ii)	कुसुमे	कुसुमानि
	(iii) आम्रम्	.....	आम्राणि
	(iv)	फले	फलानि

(2) अधोदत्तेषु वाक्येषु कर्तृपदं कर्मपदम् च चित्वा लिखत। (निम्नलिखित वाक्यों में कर्तापद तथा कर्मपद चुनकर लिखिए। Pick out the subject and the object in the sentences given below.)

	कर्तृपदम्	**कर्मपदम्**
(i) आकाशे खगाः उत्पतन्ति।	.....	×
(ii) वृक्षे पर्णानि सन्ति।	.....	×
(iii) छात्रः पुस्तकम् पठति।	.....	.....
(iv) वयम् लेखं लिखामः।	.....	.....
(v) जनाः विदेशम् गच्छन्ति।	.....	.....
(vi) वृक्षाः वनम् रचयन्ति।	.....	.....

उत्तरम्– *(i)* खगाः × *(ii)* पर्णानि × *(iii)* छात्रः पुस्तकम्
(iv) वयम्; लेखम् *(v)* जनाः, विदेशम् *(vi)* वृक्षाः, वनम्

(3) अधोदत्तान् प्रश्नान् उत्तरत– (निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए– Write answer of the following questions.)

(i) वृक्षाः पादैः कम् स्पृशन्ति?

(ii) के वनं वनं रचयन्ति?

(iii) के शाखादोलायाम् आसीनाः?

(iv) वृक्षाः स्वच्छायासंस्तरणं प्रसार्य किं कुर्वन्ति?

(v) वृक्षाः किं पिबन्ति?

उत्तरम्– *(i)* वृक्षाः पादैः पातालं स्पृशन्ति?

(ii) वृक्षाः वनं वनं रचयन्ति?

(iii) विहगाः शाखादोलायाम् आसीनाः?

(iv) वृक्षाः स्वच्छायासंस्तरणं प्रसार्य सत्कारं कुर्वन्ति?

(v) वृक्षाः पवनं जलम् च पिबन्ति?

(10) रेखांकित पदं संशोध्य लिखत– (रेखांकित पदों को शुद्ध करके लिखिए– Write down correct form of underlined words.)

(i) बालकः <u>फलरस</u> पिबति।

(ii) किं त्वं <u>दूरदर्शनः</u> पश्यसि?

(iii) छात्राः लेख लिखन्ति।
(iv) अहं विदेश गमिष्यामि।
(v) बालिका भोजन खादति।

उत्तरम्– (i) फलरसम् (ii) दूरदर्शनम् (iii) लेखम् (iv) विदेशम् (v) भोजनम्

बहुविकल्पीयप्रश्नाः

(1) **उचितेन विकल्पेन रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत।** (उचित विकल्प चुनकर रिक्त स्थान पूर्ति कीजिए। Pick out the correct option and fill in the blanks.)

(क) (i) वृक्षे ..... सन्ति। (फलम्, फलाः, फलानि)
(ii) छात्राः ..... गच्छन्ति। (विद्यालय, विद्यालयम्, विद्यालयः)
(iii) तव ..... कुत्र अस्ति। (गृहः, गृहम्, गृह)
(iv) ..... दूरदर्शनं पश्यामः। (अहम्, आवाम्, वयम्)
(v) बालिका ..... गमिष्यति। (पाठशाला, पाठशालम्, पाठशालाम्)

उत्तरम्– (i) फलानि (ii) विद्यालयम् (iii) गृहम् (iv) वयम् (v) पाठशालाम्।

(ख) (i) सरोवरे कमलानि ..... । (विकसति, विकसतः, विकसन्ति)
(ii) वृक्षे विहगौ ..... । (कूजति, कूजतः, कूजन्ति)
(iii) किं यूयं क्रिकेटं ..... ? (खेलिष्यसि, खेलिष्यथ, खेलिष्यथः)
(iv) बालिका दर्पणे स्वप्रतिबिम्बं ..... । (पश्यति, पश्यतः, पश्यन्ति)

उत्तरम्– (i) विकसन्ति, (ii) कूजतः, (iii) खेलिष्यथ, (iv) पश्यति

(2) **भिन्नप्रकृतिकं पदं चिनुत।** (भिन्न प्रकृतिवाला पद चुनिए। Pick out the word that is different from the rest.)

(i) अश्वः, गजः, बिडालः, पादपः
(ii) लता, वृक्षः, कुसुमाणि, शीघ्रम्
(iii) नारिकेलम्, आम्रम्, मिष्टान्नम्, अमृतफलम्
(iv) वनम्, जनम्, बिम्बम्, जलम्

उत्तरम्– (i) पादपः (ii) शीघ्रम् (iii) मिष्टान्नम् (iv) जनम्

❑❑❑

LearnCBSE.in

********** END **********